राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, भुवनेश्वर

हिन्दी पखवाड़ा समारोह – एक रिपोर्ट

राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने तथा राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के प्रति अनुकूल वातावरण बनाने के लिए हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केन्द्र, भुवनेश्वर में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन 14 सितम्बर 2023 से 29 सितम्बर **2023** तक किया गया। हिंदी पखवाड़े के तहत कई प्रतियोगिताएं जैसे : **हिंदी श्रुत टाइपिंग , हिन्दी -अंग्रेजी अनुवाद , चित्र आधारित निबंध , आशु भाषण एवं हिंदी कवितावृति प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में हिन्दी **चित्र आधारित निबंध** प्रतियोगिता केवल हिन्दी भाषी पदाधिकारियों के लिए तथा **हिंदी -अंग्रेजी अनुवाद** केवल स्थापना अनुभाग के पदाधिकारियों के लिए रखा गया था, जिसमें सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने बड़े जोश के साथ भाग लिया । पखवाड़े का समापन समारोह दिनांक **29/09/2023** को रखा गया ।

पखवाड़ा का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं वंदना से हुआ।

समापन समारोह के शुभ अवसर पर रेवेंशा विश्वविद्यालय के रिटायर्ड हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. अजय कुमार पट्टनायक बतौर मुख्य सम्माननीय अतिथि उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि महोदय को साप्लिंग प्रदान करते हुए स्वागत

सदस्य सचिव डॉ. अलका प्रधान ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए राजभाषा हिंदी पर ज़ोर देते हुए कहा कि राजभाषा हिन्दी का समुचित विकास तभी संभव हो पाएगा जब इसका सतत प्रयोग हो और किसी भी राष्ट्र की पहचान इस बात से होती है कि ,उसने अपनी भाषा को किस सीमा तक मजबूत, समृद्ध और व्यापक बनाया है ताकि वह ज्ञान-विज्ञान के सभी क्षेत्र को अभिव्यक्त कर सके।

उप महानिदेशक एवं राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी डॉ श्री अशोक कुमार होता ने अपने उदबोधन में कहा कि राजभाषा पर हम सबको गर्व है और हिन्दी पखवाड़ा एक राष्ट्रीय पर्व है। राजभाषा हिंदी को आगे बढ़ाने के लिए हमें इसके ई-टूल्स को अपनाते हुए रोजाना कार्यालयीन कामकाज में इसका प्रयोग करना चाहिए, क्योंकि हिंदी एक उन्नत, समृद्ध एवं वैज्ञानिक भाषा है, इसमें जो बोला जाता है वही लिखा जाता है, और हिंदी की इस विशेषता तथा लोकप्रियता को देखते हुए इसे संविधान में राजभाषा का दर्जा दिया गया है।

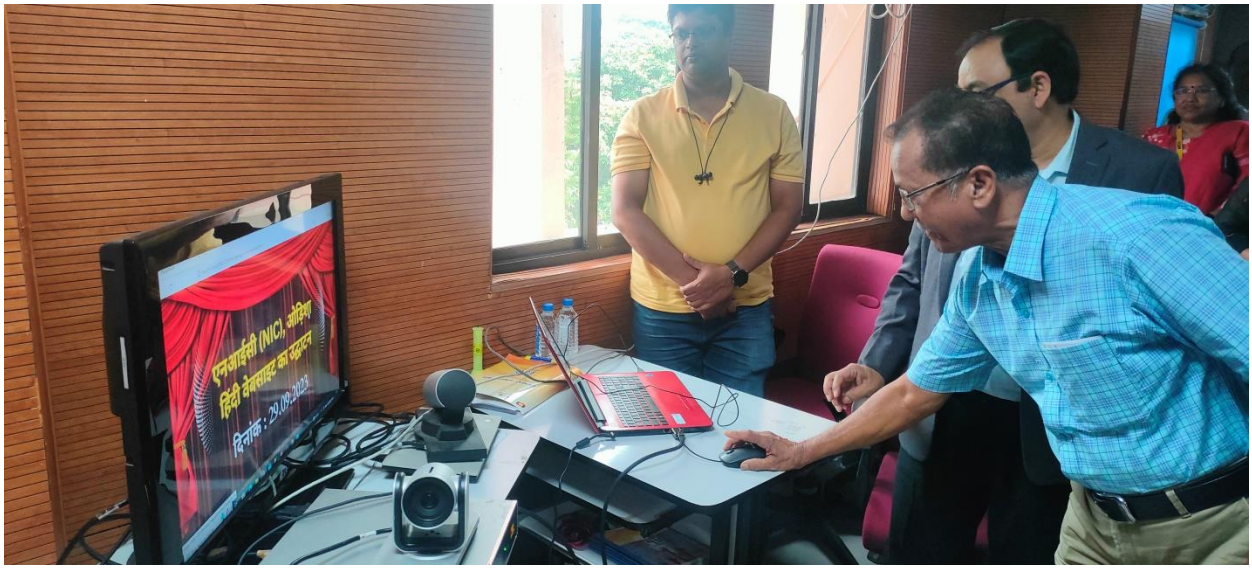

odisha.nic.in हिन्दी वैबसाइट का उदघाटन भी मुख्य अतिथि, SIO के कर कमल से हुआ।

इस शुभ अवसर पर **odisha.nic.in** हिन्दी वैबसाइट का उदघाटन भी मुख्य अतिथि के कर कलम से हुआ, तथा पहली बार राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, ओड़ीशा राज्य केंद्र की पहली हिन्दी पत्रिका 'जागृति - एक कदम सृजन की ओर' का विमोचन भी हुआ, जिसे राज्य तथा जिलों के कई अधिकारियों ने अपनी रचनाओं (कहानी,कविता ,संस्मरण) आदि से सींच कर इसे मूर्त रूप प्रदान करने का सफल प्रयास किया,जो एक सराहनीय कदम है।

राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र ,भुवनेश्वर की पहली हिन्दी पत्रिका 'जागृति -एक कदम सृजन की ओर' का विमोचन मुख्य अतिथि, SIO के कर कमल से हुआ।

मुख्य अतिथि मोहदय का वक्तव्य तथा सम्माननीय अतिथि महोदय को स्मृति फलक प्रदान

मुख्य अतिथि डॉ. अजय कुमार पट्टनायक ने अपने वक्तव्य में कहा कि राजभाषा हिंदी का प्रयोग बहुत ही सरल एवं सहज रूप में होना चाहिए , और जहां तक संभव है हमें दूसरी भाषाओं के शब्दों को अपनाते हुए इसका प्रचार ,प्रसार करना चाहिए और इसका विकास ऐसे करना चाहिए कि यह भारत की सामासिक संस्कृति **(composite culture)** का परिचायक बने।

उन्होंने आगे यह भी कहा कि राजभाषा हिंदी का साहित्यिक हिंदी से कोई लेना देना नहीं है ,अतः शुद्ध आलंकारिक हिंदी के बदले सरल और सहज समझ में अनेवाली हिंदी का प्रयोग करना चाहिए । आज आवश्यकता इस बात की है कि इसे हम अपने रोज़मर्रा के कामकाज में हिन्दी को प्रयोग में वैसे लाएँ जैसे कि हम अन्य सरकारी आदेशों/नियमों का अनुपालन करते हैं।

पखवाड़ा में उपस्थित अधिकारीगण

समारोह के अंत में उप महानिदेशक एवं राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी ने सभी प्रतिभागियों का अभिनंदन करते हुए विजयी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए प्रमाण पत्र के साथ सम्मानित किया। अंत में डॉ. पवित्र पट्नायक ने मुख्य अतिथि एवं उपस्थित पदाधिकारियों/जिलाधिकारियों को सादर धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम में जुड़ने के लिए एवं इस पखवाड़ा के सफल आयोजन में सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। पूरे समारोह के दौरान सभी जिलाधिकारी **VC** के माध्यम से जुड़े रहे।

समारोह के अंत में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी रखा गया था ,जिसमें गाना, बजाना, कविता-पाठ ,चुट्कुले, शायरी, आदि में कई पदाधिकारियों ने भाग लिया। अंत में एक छोटा **(comedy)** लघु नाटक मंचस्त किया गया।

समारोह कार्यक्रम के कुछ फोटो :

Digital India
हिंदी पखवाड़ा समारोह
राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र
भुवनेश्वर
NIC
दिनांक :

हिंदी पखवाड़ा समारोह
राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र
भुवनेश्वर

आजादी का अमृत महोत्सव
सेवक पाठशाला
भुवनेश्वर
NIC
National Informatics Centre
14-09-23
से

हिंदी पखवाड़ा 2023
एन आई सी, ओडिशा